

अनुक्रमः

पुरोवाक् - प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री	iii
सम्पादकीयम्	v
श्रीवीरभद्र मिश्रस्य जीवनवृत्तम्	xxi
वीरभद्रस्य कृतित्वे विहंगमा दृष्टिः	xxii
श्रीवीरभद्राष्टकम्	xxvii

खण्ड : 1 कविता (प्रथमो भागः)

1. नव वर्षस्वागतम्	3
2. लब्ध श्वासः	3
3. भो! जरद्गवाः!	4
4. को द्रूते जगतोऽस्ति नियन्ता	5
5. आशु वर्धय वेतनं नः	5
6. राजनीतेः इन्द्रजालम्	6
7. अहमपि कविः प्रशस्तः	7
8. ईदृश एव सुकालः	7
9. शेते क्व ते स भगवान्	8
10. यतोऽहं पुजारी	9
11. इदं निबोध रहस्यम्	9
12. पतिव्रताहं नारी	10
13. अहं भारतीयः	10
14. संस्कृतवाचोधुरंधरोऽहम्	11
15. एकता भेदेऽपि गूढा	12

16. अहं मन्त्रिपुत्रः	13
17. अहं वानरः	13
18. सखे त्यागपत्रं नो देयम्	14
19. किं सखि	15
20. पदं देहि मे	16
21. लेढु धूलिं बुधः	16
22. नमः पदाय	17
23. वीरा जयं लभन्ते	18
24. सत्यतो निन्द्यसे	18
25. राजनीतिमहिमा	19
26. किं करवाणि मन्दः	20
27. स स एव पति मे	20
28. तस्य निवासः कथं भारते	21
29. किं मया कृतम्	22
30. जटा मम रूढाः	23
31. अर्धचन्द्रं विना	24
32. प्रियं दन्दशूकस्य मे	25
33. रामो यतः ततः सीता	26
34. ब्रूहि पण्डितः को, मूर्खः कः?	26
35. अद्यपर्व बलिदानपराणाम्	27
36. दशा हा संस्कृतायाः	28
37. हे गर्दभ! तुभ्यं नमः	29
38. पूजय मां चाणक्यपितामहम्	30
39. संसदि संस्कृता	31
40. गेहे गेहे डैडी मम्मी	32

41.	जागृत! नार्यः!	32
42.	नो त्रपेथा	33
43.	दीपावली प्रकाशः	34
44.	पदाचारिता	34
45.	मूलहीनो द्रुमः	35
46.	इतिहासभूगोलौ	36
47.	न त्वं कविः	37
48.	कौलो धर्मः	37
49.	जय हे!	38
50.	ओलम्पिकेषु	39
51.	चैतरणी	39
52.	वेदविहीनः	40
53.	नेता जी रजकः	41
54.	को जानाति मदीयं तत्त्वम्?	41
55.	नटः पूज्यते	42
56.	तव होलीं न जाने	43
57.	अर्जुनोऽहम्	44
58.	नवीनं पुष्पितं कमलम्	44
59.	घोष एकः	45
60.	दुष्टं गंगावारि	46
61.	को भ्रष्टः	47
62.	पतिर्मम नेता	48
63.	एतद्देशप्रसूतस्य	48
64.	दीपाली	49
65.	संसत्कुपिता	50

66. दिल्ली पश्यति	51
67. अहं मन्त्री	51
68. एहि संस्कृताक्रीडम्	52
69. संस्कृताऽपसारिता त्वया कथं न बुध्यते	53
70. गृहरक्षकः	54
71. तक्रं भरितम्	54
72. पदयात्राया उपलब्धिः	55
73. कः कथयति रे	56
74. यदि न रक्षिता	57
75. राजदेवो भव	58
76. विश्वाभिमानिता	58
77. होलिका सफला भवित्री	59
78. नेता गंगाजलवत्पूतः	60
79. हर गंगे	61
80. तरिष्यन्ति पितरो मे	62
81. दीपकत्रयं ज्वालितम्	62
82. चल रे कुम्भम्	63
83. सर्वगन्धाहम्	64
84. यो न भापते	65
85. संसारो मे भृशं रोचते	66
86. हठं कथं मुञ्चानि	66
87. अटल जी!	67
88. द्यूतं विना	68
89. मयाघोषितः.....	69
90. विहारे भगवन् किं भविता	69

91. गच्छति दूरे	70
92. यदि न नियन्ता जगतामीशः	70
93. नास्ति नियन्ता जगतामीशः	72
94. ताजमहलम्	73
95. अहं छात्रनेता	74
96. प्रेयसी कविता न वनिता	75
97. अहं नास्तिकः	76
98. गाय सुकवे	77
99. विडम्बना	78
100. विधायकेभ्यः संस्कृतकक्षा	79
101. मुक्तके	80
102. स्मरसि रेवे	81
103. धूलिसात् साध्यताम्	82
104. नेताऽहम्	82
105. विश्वयाचना यात्रा	83
106. कविता वल्लभा	84
107. कालिदासो गुप्तकाले	85
108. नेतुः क्रान्तिः	85
109. अहं ब्रह्म न संशयः	86
110. हे स्वतन्त्रे	88
111. भारतो भाति	89
112. मोक्षस्वर्गौ	91
113. वन्दे संस्कृताम्	92
114. नैव शिरोहार्यम्	92
115. प्रिया संस्कृता संस्कार्या	93

116. अहं वाक्कीलो भवामि	94
-------------------------	----

कविता (द्वितीयो भागः)

117. एतिवसन्तः	96
118. कीदृशी खलु देवता त्वम्	97
119. पदयुगे हृदयं न्यसेयम्	98
120. ब्रूहि किं करवाणि	98
121. क्रन्दन् विलपन्	99
122. इत्थं न पश्य माम्	100
123. सिता राका	100
124. प्रियाष्टकम्	101
125. होली	102
126. आगता होली	103
127. पीयताम्	104
128. सुखं ग्रामे	105
129. होलिका गीतिका	106
130. होलीगीतम्	107
131. राष्ट्रस्यदासोऽस्यमहम्	107
132. होलीगीतम्	108
133. हुरंगा	109
134. अंगणे विन्दुभिः	110

कविता- बाल कविता (तृतीयो भागः)

135. लालनी	111
136. खन्तं मन्तम्	112
137. शिशुजागरणम्	113

138. बाललीला	114
139. लालनी	115
140. चल मम घोटक	116
141. दुग्धं पिब रे	117
142. चन्द्रमातुल!	118
143. बालपद्यानि	119
144. दोलागीतम्	121
145. अहं बालिका प्रिया	122
146. एत बालिका	122
147. वर्षाकालः	123
148. त्रिरंगो ध्वजः	124
149. शिशुगीतम्	125
150. वयं बालकाः	125
151. गुरुचरितानि	126
152. एहि रे	127
153. संस्कृतगीतिः	128
154. मनो मोदते	129
155. चलति विडालः	129
156. कूजकोकिले	130
157. बालकविता	131
158. सरस्वती वन्दना	132
159. विद्यालय प्रार्थना	133
160. शिशुगीतानि	134
161. संस्कृतभाषामहम्	135
162. चन्द्रः आकाशे	135

163. श्रावणमासः	136
164. पिपीलक!	136
165. अद्याहं मेलां गतवान्	137
166. अधुनाऽहं वृद्धः संजातः	138
167. निचोलकम्	138
168. एहि पुत्र रे	141

खण्ड : 2 युगधर्मः

169. प्रथमः सर्गः	145
170. द्वितीयः सर्गः	148
171. तृतीयः सर्गः	150
172. चतुर्थः सर्गः	153
173. पञ्चमः सर्गः	155

खण्ड : 3 लघुवंशम्

174. प्रथमः सर्गः	167
175. द्वितीयः सर्गः	174
176. तृतीयः सर्गः	179

खण्ड : 4 रूपकम्

177. महाप्रभुसार्वभौमः	183
178. पूजायां सत्यमहिमा	195
179. अहं संस्कृतसेवकः	198
180. वेताल कथा	201
181. मरीचिका	204
182. पादुकाशासनम्	208
183. महायादवीयम्	212

184. पण्डितपुंगवः	217
185. कार्गिलविजयम्	222
186. अटलकल्याणीयम्	226
187. पूजाधीना संस्कृता	229
188. साक्षात्कारः	231
189. अहं सती अस्मि	238
190. सुल्तानादस्युः	242

खण्ड : 5

अस्तव्यस्तपुराणम्	247
-------------------	-----

खण्ड : 6

धृतराष्ट्रोपनिषद्	261
-------------------	-----

खण्ड : 7

अनुनयः	265
--------	-----

खण्ड-8 : भद्रकोषः

1. नित्यवार्ता	283
2. कुटुम्बिजनाः	284
3. वासोनामानि	285
4. पात्राणि	289
5. अग्निस्त्रोतांसि	291
6. पात्रागाणि	292
7. अन्नानि	292
8. शाकानि	293
9. सम्भाराणि	294
10. पाकोपादानानि	295

11.	सिद्धखाद्यानि	297
12.	आहाराः	297
13.	शरीरावयवाः	300
14.	शरीरस्थितदोषमलाः	304
15.	फलानि	310
16.	वृक्षांगानि समूहाश्च	312
17.	पुष्पाणि	314
18.	अन्यवृक्षाः	316
19.	वृक्षवस्तूनि	321
20.	जन्तुलोकः	322
21.	मानवाः	335
22.	धातवः, खनिजाः	336
23.	रत्नानि	339
24.	वास्तु	341
25.	परिवहनम्	346
26.	खेला	353
27.	अस्त्र-शस्त्रम्	357
28.	विद्युदादि	359
29.	पर्यावरणम्	360

सन्दर्भ-संकेतः

उपलब्धानां सर्वगन्धा सञ्चिकानां प्रत्येकस्य गन्धवहस्य अधस्ताद् दीयमानेष्वङ्केषु सर्वगन्धायाः प्रकाशन वर्षं ततो मज्जरी(अंक-) संख्या ततः ख्रैष्टमाससंख्या ततश्च ख्रैष्टसम्बत्सरसंख्या मुद्रिता वर्तते।

अनुक्रमः

गन्धवहः

(समकालिकाः विषयाः वीरभद्रस्य पत्रकारिता च)

1.	प्रास्ताविकम्	3
2.	संस्कृतस्य युगानुरूपिणीमुपयोगितामन्विष्यन्तु	9
3.	संस्कृतराष्ट्रभाषा	10
4.	संस्कृतालोकेन योजनीया	12
5.	संसदि राष्ट्रभाषा	14
6.	प्राच्यपद्धत्याऽध्ययनस्य भिन्नादिक्	15
7.	अहोपरीक्षाव्यवस्था !	18
8.	का नाम क्रान्तिः ! नैषाक्रान्तिः	20
9.	जातिवादो निन्द्यः	23
10.	भविष्यति कोऽपि जनप्रतिनिधिः निरंकुशो माभूत्	25
11.	इमे यां शाखामधिष्ठिताः तामेव छिन्दन्ति	27
12.	पित्रोः जात्या पुत्रस्य परीक्षणं नैव सम्भवति	30
13.	शिक्षायै सर्वोच्चा प्राथमिकता देया	31
14.	क्रान्तिं विना न प्रगतिः	33
15.	भाषा केवलं भावसंक्रमण माध्यमम्	35
16.	न केवलम् उपदेशः, कर्मणा उदाहरणानि देयानि	37
17.	मंदिरे प्रभूतस्वर्णराशेः का नामौचिती	38
18.	ईश्वरभक्तिरूपा संस्था ऽधुना अकल्याणाय कल्पते	40

19.	शूद्रोत्थानं यद्वा ब्राह्मणानामनुगमनम्	41
20.	राजनीतिः धर्म निरपेक्षा स्यात्	43
21.	संस्कृताभाषा त्रिभाषासूत्रात् पृथक्कृता	44
22.	क्षेत्रीयभाषाधारेण राज्यघटनं राष्ट्रैक्याय न युज्यते	46
23.	अद्य संस्कृताया शब्दराशिः पुनरासमीक्षणीयः	48
24.	राष्ट्रीय सुशिक्षा अधिनियमः आवश्यकः	50
25.	द्राविड्या भाषा जातयश्चानार्या इति रिक्तं वचः	52
26.	संस्कृता केवलं भाषैव नाधिका न न्यूना	53
27.	आर्य संस्कृतेः हिन्दू संस्कृतिः दूरं भिन्ना	54
28.	संस्कृतादम्याम् असंस्कृतज्ञाः	56
29.	सर्वकारस्य भाषा नीतिः पण्डितानामलसता च	57
30.	धर्मपरिवर्तनरोधे श्रेयान् पन्थाः- सर्वसमावेशिता	58
31.	सम्प्रदायानां सत्ता राज्येन न स्वीकार्या	60
32.	वयं सिद्धान्तान् केवलं दिशामः न विभ्रमः	61
33.	संस्कृतपाठ्यक्रमः जनसामान्याद् दूरवर्ती	63
34.	संस्कृताया आत्मविमर्श कालोऽयम्	65
35.	धर्मनिरपेक्षता तुः धर्मनिरपेक्षता सर्वधर्मसमभावस्त्वैकं छद्म	67
36.	जातिधर्माधारेण राष्ट्रपतिनिर्वाचनमप्रशस्तम्	68
37.	समाजदोषोद्घाटनं नाम पत्रकारस्य दायित्वम्	70
38.	पुनर्जागरणकालिकान् समाजसुधारकान् वयं विस्मरामः	72
39.	सरलयाभाषाया महत्साहित्यं सृज्यते	73
40.	द्रविडा गौडाश्चेति भारतीयार्या द्विधाः	75
41.	नेतृणां जयाकांक्षैव साम्प्रदायिकतायाः स्रोतः	76
42.	अहोपंचक्लीब सिद्धान्तः !	78
43.	वनस्पतिघृते गोमेदसो मेलनम्	80

44.	देवनागरीलिप्यां किञ्चित्परिवर्तनप्रस्तावः	81
45.	संस्कृतभाषायाः सरलीकरणस्य तात्पर्यम्	83
46.	धर्मोमहामनस्त्वं त्यागं चापेक्षते	85
47.	अन्तुलेत्वस्याः स्थाल्याः पुलाकः	87
48.	प्रयोगाभावात् शब्दा अस्माभिर्जडीकृताः	88
49.	राष्ट्रधर्मनिरपेक्षता दृढतयाऽङ्गीकरणीया	90
50.	एतादृशधनैः सिंचतानि संस्कृत संस्थानि किं संस्कृतत्वं जनयिष्यन्ति?	92
51.	राजनीतिः उताहोऽभिनयरीतिः	94
52.	सूत्रप्रमाणदिभिः तु पुत्तलिका रच्यते न कदापि रसनायिका	96
53.	साम्प्रदायिकभावनां सन्दीप्य तत्संधर्षे सन्तुलनमेवाद्यतनी राजनीतिः	97
54.	एत! एत! सहस्ररूप्यकाणां शाटी दशरूप्यकैः क्रीणीत !	99
55.	संस्कृतायाः स्वीकारः राष्ट्रैक्यमूलाधारः	101
56.	भाषापरिवर्तते एव अन्यथानक्ष्यति एव	103
57.	कुमारसम्भवं कालिदासस्य अन्तिमा कृतिः	105
58.	भावुकव्याहृतिभिः समालोचना न शक्या	108
59.	भाषा- देशकालभेदतः बहुधा भिन्ना	110
60.	रजनीशवादे किमपि अवैदिकत्वं नास्ति	113
61.	धर्मनिरपेक्षत्वं किंवा हिन्दुत्व निरपेक्षत्वम्	115
62.	गीतस्य पद्यस्य च दूरं भिन्नता	117
63.	मां कर्तुं देहि किमिदं शुद्धम् ?	119
64.	राजाकालस्यकारणम्	120
65.	गंगायां गंगादासो यमुनायां यमुनादासः	122
66.	सर्वे निषेधाः त्याज्याः संस्कृतप्रचाराय	123
67.	खेलानन्दे विघ्नो न भवेदिति मोदमानः खेलति	125
68.	द्रविडः आर्यः भारतमागतानामार्याणां प्राग्वर्तिपश्चाद्वर्तिच द्वेदले स्तः	126

69.	मूर्धन्या वर्णाः वेदे महाराष्ट्र्यां द्राविड्यां च समानं विद्यन्ते	128
70.	राष्ट्रैक्यं संस्कृताश्रितम्	130
71.	नवीनशिक्षापद्धतौ सर्वकारेण संस्कृताया निर्वासनम्	131
72.	पुरस्कारे राजनीतिः	133
73.	मदीय सम्प्रदाय कृते हिंसा उचिता तद्विराधे तु निन्दनीया	135
74.	संस्कृतस्य राष्ट्रीयं स्वरूपं न केनचित्सम्प्रदाय विशेषेण सम्बन्धेनिर्मेयम्	137
75.	इमे नेतारः मुखमिष्टा हृदयहीनाः	139
76.	रामायणं न सम्प्रदायग्रन्थः तत्केवलमेकं महाकाव्यम्	141
77.	सतीप्रथा गर्हणीया	143
78.	प्रोफेसरो भूत्वा कोऽपि वराकः किं कुर्यात् !	145
79.	ये प्रजा भवितुं नेच्छन्ति तेषां प्रजातन्त्रे को मानः ?	147
80.	भारते सम्प्रति अध्ययनवृत्तिः नष्टप्राया	149
81.	पश्चिममोत्तर प्रदेशे कृषाणान्दोलनम्	150
82.	विज्ञापनानि संस्कृतपत्रिका च	152
83.	कश्चिदाध्यात्मिको विमर्शः	154
84.	'देशस्याखण्डत्वरक्षणार्थं स्थानीयत्वाभिमानः त्याज्यः'	156
85.	मयि शासति सर्वे तुष्यन्तु कार्यं स्यान्नवा स्यात्	156
86.	संस्कृतदिवस विवेकः	158
87.	नाम्नो महत्त्वम्	159
88.	नसंस्कृता हिन्दूधर्मस्य पुच्छभूता	161
89.	संविधानपुनरीक्षणव्यवस्था निश्चेया	162
90.	वैश्वीकरणसम्भ्रमेऽस्मिताया संकटम्	163

वेदवाङ्मयगुटिका

- | | | |
|----|----------------------|-----|
| 1. | वेदवाङ्मय गुटिकायाम् | 167 |
| 2. | वेदवाङ्मय गुटिका | 169 |

व्यंग्यचित्राणि

विनोदाय

(प्रथमोभागः-रेखाभिः)

- | | | |
|-----|---------------------|-----|
| 1. | व्यंग्यचित्राणि | 181 |
| 4. | एष समन्वयः | 183 |
| 5. | रलयोरभेदः | 184 |
| 6. | अहं कौटिल्य पिता | 185 |
| 7. | परकीयारसः | 186 |
| 8. | उभयथा सत्यम् | 187 |
| 9. | काकोलूकीयम् | 188 |
| 10. | यूरेनियमं प्राप्तं | 189 |
| 11. | मुखं पिधेहि | 190 |
| 12. | अन्तर्जवनिकम् | 191 |
| 13. | दिवास्वप्नः | 192 |
| 14. | पुनरागमनम् | 193 |
| 15. | राजनीति झंझा | 194 |
| 16. | दिल्लीं प्रति | 195 |
| 17. | तीव्र गेंदकः | 196 |
| 18. | यथा राज्ञी तथा राजा | 197 |
| 19. | उत्थानपतने | 198 |
| 20. | स्वैरंगच्छतु | 199 |

21. ममताकादमी	200
22. ईदृशे स्वातन्त्र्ये दत्तेऽपि कथमान्दोलनानि	201
23. पुराणमित्येव न साधुसर्वम्	202
24. व्यंग्यचित्राणि (द्वितीयोभागः-शब्दैः)	203
25. प्राच्यः.....	203
26. संस्कृत शिक्षकः	203
27. आस्तिकः.....	203
28. वैज्ञानिकः.....	203
29. एका पत्नी.....	203
30. एकः विदेशीयः.....	204
31. अभक्तः.....	204
32. भारतीयः व्यापारी.....	204
33. आंग्लशासने.....	204
34. मन्दिरे पुजारी.....	205
35. भारतेऽधुना.....	205
36. श्रूयते यद्.....	205
37. असमकेरलयोः.....	207
38. इंग्लैण्डे.....	207
39. एकेन पंडितेन.....	207
40. कठिनंखलु.....	207
41. एकः पुराण वाचकः....	208
42. श्रूयते यद्.....	208
43. छात्रा अपरे.....	208
44. एकस्मिन् विश्वविद्यालये..	208

45. एस्मिन् विदेशीये.....	209
46. राष्ट्रपति:.....	209
47. तेनोक्तम्.....	209
48. पुनश्चोक्तम्.....	210
49. कर्णपुरे.....	210
50. उ०प्र० मुख्यमन्त्री.....	210
51. दस्यव:.....	210
52. एकः छात्र:.....	210
53. विख्यात देशनायकस्य	210
54. अरी शीले.....	211
55. एकस्यां सभायामेकः...	211
56. फिलिस्तीनस्य.....	211
57. इरानेनोक्तम्.....	212
58. एकस्मिन् कार्यालये...	212
59. एकदा एकस्मिन्...	212
60. एकः पण्डित:.....	212
61. एको योगी.....	213
62. उ०प्र० संस्कृत अकादम्या..	213
63. संस्कृत कोष:.....	214
64. कतिपय दिनानि.....	214
65. एको नागरिक:.....	215
66. भक्तानां.....	215
67. श्रूयते.....	216
68. अधुना.....	216

(x)

69.	उ०प्र० संस्कृत अकादम्याः...	217
70.	लेखकः सूचयति.....	217
71.	अकादम्याः.....	217
72.	लेखकेन.....	218
73.	एको नेताजिः.....	218

परिशिष्टम्

श्रीवीरभद्रमिश्रस्य जीवनवृत्तम्	219
वीरभद्रस्य कृतित्वे विहंगमा दृष्टि	220